भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3756
उत्तर देने की तारीख 24.03.2025

हरियाणा की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देना

3756. श्री सतपाल ब्रह्मचारी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हरियाणा राज्य की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) हरियाणा के लोक कलाकारों की सहायता के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की वित्तीय योजनाओं और इनसे लाभान्वित कलाकारों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हरियाणा के लोक कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या हरियाणा के पारम्परिक मेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): हरियाणा सहित देश की लोक कला एवं संस्कृति के विभिन्न रूपों की संरक्षा, संवर्धन एवं परिरक्षण तथा संस्कृति एवं धरोहर को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं जिनके मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में स्थित हैं। हरियाणा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एनजेडसीसी), पटियाला और उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एनसीजेडसीसी), प्रयागराज का सदस्य राज्य है। ये जेडसीसी हरियाणा राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों की संस्कृति और धरोहर को बढ़ावा देने के लिए नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

विगत तीन वर्षों के दौरान एनजेडसीसी, पटियाला और एनसीजेडसीसी, प्रयागराज को हरियाणा सहित अपने सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यकलापों के आयोजन के लिए जारी सहायता अनुदान निम्नानुसार है:

(लाख रुपये में)

क्र. सं.	**वर्ष**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
i.	एनजेडसीसी, पटियाला	530.76	276.51	1067.79
ii.	एनसीजेडसीसी, प्रयागराज	984.70	301.51	3553.24

एनजेडसीसी और एनसीजेडसीसी हरियाणा सहित अपने सदस्य राज्यों के लोक कलाकारों को उनके द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों के दौरान शामिल करते हैं, जिसके लिए उन्हें मानदेय, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता, भोजन और आवास, स्थानीय परिवहन आदि के लिए भुगतान किया जाता है। वर्ष 2023-24 के दौरान एनजेडसीसी और एनसीजेडसीसी द्वारा हरियाणा के लोक कलाकारों को प्रदान किया गया अनुदान निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**जेडसीसी का नाम**	**लाभान्वित लोक कलाकारों की संख्या**	**राशि**
i.	एनजेडसीसी, पटियाला	1439	91.94 लाख रुपये
ii.	एनसीजेडसीसी, प्रयागराज	141	1.12 लाख रुपये

संस्कृति मंत्रालय द्वारा गुरु-शिष्य परम्परा (रेपर्टरी अनुदान) स्कीम संचालित की जाती है, जिसके तहत मंच कला की सभी विधाओं जैसे संगीत समूहों, नृत्य समूहों, बाल रंगमंच सहित रंगमंच समूहों, संगीत मंडलियों आदि के लोक कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के तहत गुरु (समूह का लीडर) के लिए सहायता राशि 15,000/- रुपये प्रति माह और कलाकार की आयु के आधार पर शिष्य के लिए 2,000-10,000/- रुपये प्रति माह है। विगत तीन वर्षों के दौरान इस स्कीम के अंतर्गत हरियाणा में स्थित संगठनों को जारी अनुदान निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**वर्ष**	**संगठनों की संख्या**	**राशि**
i.	2021-22	04	30.84 लाख रुपये
ii.	2022-23	24	93.06 लाख रुपये
iii.	2023-24	23	124.20 लाख रुपये

(ग): संस्कृति मंत्रालय अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से देश में राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) आयोजित करता है, जिसमें हरियाणा राज्य सहित पूरे भारत से बड़ी संख्या में लोक कलाकारों को इस आयोजन के दौरान अपनी प्रतिभा का

प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान किया जाता है। अब तक, संस्कृति मंत्रालय द्वारा 14 राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव और 04 क्षेत्रीय स्तर के राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव आयोजित किए गए हैं।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रसार करने और वैश्विक क्षेत्र में अनुकूल रूप से भारत की छवि को संवर्धित करने के लिए "वैश्विक भागीदारी स्कीम" नामक स्कीम कार्यान्वित की जाती है। इस स्कीम का उद्देश्य भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर के तहत विदेशों में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करना है। इस स्कीम के तहत लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और कठपुतलीकला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रयोगात्मक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेशों में 'भारत महोत्सव' में प्रस्तुतीकरण देते हैं। संस्कृति मंत्रालय ने विदेश में आयोजित भारत महोत्सवों में प्रस्तुति देने के लिए विभिन्न कला रूपों के तहत 627 कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है।

(घ): उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र कुरुक्षेत्र गीता महोत्सव के साथ-साथ सूरजकुंड शिल्प मेले के आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है। इसके अतिरिक्त, हरियाणा सहित देश के पारंपरिक मेलों/पर्वों को बढ़ावा देने के लिए, संस्कृति मंत्रालय 'सांस्कृतिक समारोह और निर्माण अनुदान स्कीम (सीएफपीजी)' संचालित करता है जिसके तहत संगोष्ठियों, सम्मेलनों, शोध, कार्यशालाओं, महोत्सवों, प्रदर्शनियों, विचारगोष्ठियों, नृत्य, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के आयोजन के लिए संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। विगत तीन वर्षों के दौरान इस स्कीम के तहत हरियाणा में स्थित संगठनों को जारी अनुदान निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**वर्ष**	**संगठनों की संख्या**	**राशि**
i.	2021-22	24	42.43 लाख रुपये
ii.	2022-23	28	62.59 लाख रुपये
iii.	2023-24	36	74.72 लाख रुपये

*****